डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 138 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 03 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant International Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

दस माह में मंदसौर पासपोर्ट आफिस से छह हजार लोगों को मिला विदेश जाने का लिगल दस्तावेज

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दस माह पहले तक पासपोर्ट बनवाने के लिए आमजन को रतलाम और भोपाल का चक्कर काटना पड़ता था। लेकिन, मंदसौर जिला मुख्यालय पर पासपोर्ट कार्यालय की शुरुआत के साथ ही लोगों को खासी राहत मिली है। अब विदेश जाना आसान हुआ है। बीते दस माह में 5 हजार 829 लोगो ने पासपोर्ट बनवाए है। मतलब हर माह 550 से ज्यादा पासपोर्ट बने हैं। विशेषकर युवाओं में विदेश जाने का मोह लगातार बढ़ रहा है। खासकर पढ़ाई, रोजगार इसकी प्रमुख वजह है। शहर में पासपोर्ट सेवा केंद्र खुलने के बाद जनवरी 2025 में रिकॉर्ड 693 लोगों ने पासपोर्ट के लिए आवेदन किया। आवेदकों में 235 ने लांग टर्म के लिए अप्लाई कर रखा है। इसमें रोजगार व परिजनों के साथ रहने जैसी वजह बताई गई है।

सहकारी सोसायटियां: खुलेआम लूट रही अंटशंट ब्याज की दुकानें..!

✻ तगड़ी ब्याज वसूली के साथ जमा करने वालो को दे रहे अच्छे रिटर्न का झांसा
✻ एजेंटों का गला पकड़ते लोग, मुख्य सरगना हो जाते मिस्टर इंडिया

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अंचल में कई साख सहकारी सोसाटियां किराने की दुकान की तरह एक छोटी सी दुकान में संचालित की जाने लगी है। कुछ सालों में सोसायटियों की संख्या जिस तरह से बढ़ी है, उसी तरह से ठगी के मामले भी सामने आए है। हाल ही में पशुपतिनाथ साख सहकारी सोसायटी द्वारा ठगी का मामला सामने आया था। इसके पहले पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी की सोसायटी ने खेल किया। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोसायटी के मुख्यकर्ताधर्ता तो रसूख के दम पर खुलेआम कॉलर उठाकर घूमते हैं या फिर गायब हो जाते हैं। लेकिन, कमीशन पर उगाई करने वाले एजेंटों का सोसायटी के ग्राहक गला पकड़ते हैं। कई मामलों में फ्रॉड सोसायटी के एजेंटों को पुलिस की शरण लेनी पड़ी। इसके अलावा कई सोसायटियां नियमों को ताक पर रखकर ब्याज की वसूली करती है तो लोगों को अच्छे ब्याज का लालच देकर रुपया जमा करती है। इसके बाद रफुचक्कर हो जाती है।

मंदसौर जिले में 134 क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटियां हैं। विभाग के मुताबिक इसमें 121 कार्यशील व 13 अकार्यशील हैं। क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के लिए 11 अथवा 21 सदस्य मिलकर सहकारिता विभाग के कार्यालय के माध्यम से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया कर सकते हैं। इसके बाद पंजीयक की अनुमति से सोसायटियां आदर्श उपविधि के अलावा खुद की उपविधि में संशोधन कर लेती हैं। इसके सहारे वे अपने नियम-कायदे बनाकर लोगों को फंसा लेती हैं। हैरत की बात यह है कि नियम में बैंक से 2 प्रतिशत अधिक ब्याज लेने का प्रावधान है। लेकिन, किस बैंक का, यह स्पष्ट नहीं होने से भी सोसायटी संचालक इसका फायदा उठाते हैं।

अधिकारियों का कहना है कि विभाग पंजीयन, निर्वाचन, अनियमितता व इससे संबंधित शिकायतों के मामलों को ही देखता है। ऐसे में सख्ती नहीं होने का संचालक लाभ उठाते हैं।

लालच देकर फंसाते लोगों को...

पशुपतिनाथ साख सहकारी संस्था वाले ठगी के मामले में सामने आया था कि सोसायटी तीन साल पहले ही बंद हो गई थी। जबकि, जमाकर्ताओं ओर सदस्यों को इसकी जानकारी ही नहीं थी। इसके अलावा सामने आया कि सोसायटी द्वारा कलेक्शन पर जमाकर्ताओं को चांदी के सिक्के सहित आकर्षक ब्याज का लालच देते थे। इसके अलावा अन्य बैंकों या एफडी से ज्यादा ब्याज का लालच देते थे। जबकि, लोन पर 14 से 20 फीसदी तक ब्याज एवं पेनल्टी वसूलते थे।

अनदेखी- गीता भवन अंडर ब्रिज में लाइट नहीं लगाई जाने के कारण दिन में भी अंधेरा रहता है। रात्रि के समय तो पूरी तरह अंधेरा ही रहता है। नगर पालिका द्वारा अंडर ब्रिज में बिजली की व्यवस्था करना है। लेकिन, अनदेखी की जा रही है।

गरीबों का फ्रीज- मंदसौर शहर में गरीबों के फ्रीज कहे जाने वाले ठंडे पानी के मटके बेचने के लिए बाजार में बड़ी संख्या में दुकानें लगना शुरू हो गई है। इस बार गरीबों के फ्रीज पर भी महंगाई का असर है। वही इस साल अहमदाबाद, मेघनगर व अजमेर की मिट्टी से बने मटके बाजार में आए है।

एक अप्रैल से शुरू होगा नया शिक्षा सत्र

पहले दिन होगा प्रवेशोत्सव, स्कूलों को सजाया जाएगा

भोपाल, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। एमपी बोर्ड से संबंधित सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयो का नया शिक्षा सत्र 01 अप्रैल से शुरू होगा। इस दिन स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। निर्देशित किया गया है कि शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पहले स्कूलों को सजाया जाए। इस दिन बाल सभा का आयोजन किया जाए। नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया जाए। स्कूल के वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा भी कनिष्ठ विद्यार्थियों का स्वागत किया जाए और 01 अप्रैल को ही सभी विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया जाए।

यह भी निर्देशित किया गया है कि जो विद्यार्थी दो साल पहले स्कूल में अध्ययनरत थे। लेकिन, इस साल किसी भी स्कूल में नहीं हैं, यानी शाला त्यागी हैं या ड्राप बाक्स में चले गए हैं। ऐसे बच्चों को स्कूल में लाने के लिए शिक्षकों को जिम्मेदारी दी जाए। एक शिक्षक को 10 विद्यार्थियों की जिम्मेदारी सौंपी जाए। उनका 10 अप्रैल तक भौतिक सत्यापन का कार्य पूर्ण किया जाए। स्कूलों में प्रवेशित विद्यार्थियों को पात्रता के आधार पर प्रदान की जाने वाली सुविधाओं जैसे पाठ्यपुस्तक, छात्रवृत्ति, साइकिल आदि का निर्धारण पोर्टल पर अपडेशन के बाद किया जाएगा।

निर्देश दिए गए हैं कि स्कूलों में शाला प्रबंध समिति एवं अभिभावकों की बैठक का आयोजन किया जाए। इसके तहत स्कूलों में 17 मार्च तक प्रत्येक विद्यार्थी के माता-पिता को आमंत्रित किया जाए और बच्चे की विगत वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ नए शैक्षणिक सत्र के प्रथम माह में आयोजित होने वाली गतिविधियों के बारे में अवगत कराएं।

इनका कहना...

स्कूलों का शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू होगा। पहले दिन प्रवेशोत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

हरजिंदर सिंह, संचालक,
राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल

तलवार को माफी, सुई को फांसी

✻ मगरमच्छों को छोड़ छोटे-मोटे शिकार कर रहा खनिज विभाग ✻ ट्रैक्टरों को पकड़ा, फाइटरों को दे दिया अभयदान

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला खनिज विभाग की कार्रवाई लंबे समय से सवालों के घेरे में है। कागजो में आंकड़ों का खेल पूरा करने के लिए मछलियों का शिकार किया गया और मगरमच्छों को छोड़ दिया गया। पुरानी कहावत 'सुई को फांसी, तलवार को माफी' की तर्ज पर खनिज विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है। अब सोशल मीड्यिा पर खनिज विभाग की पोल खुल रही है। अवैध खनन के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इधर रेत से भरे ट्रैक्टरों को खनिज विभाग पकड़ रहा है। लेकिन नदी का सीना छलनी कर रही फाइटर मशीनों तक पहुंचने की हिम्मत खनिज विभाग नहीं जुटा पा रहा। रविवार को संजीत में एक बार फिर से यही देखने को मिला। यहां खनिज विभाग ने रेत से भरे चार ट्रैक्टर पकड़े। लेकिन, संजीत स्थित कचहरी पाइंट पर खुले आम फायटर मशीनों से हो रहे अवैध खनन तक पहुंचने की हिम्मत विभाग के अधिकारी नहीं जुटा पाए।

मंदसौर जिले की जीवन रेखा कही जाने वाली चंबल, जिसे बीते लंबे समय से मालवा की गंगा का दर्जा देने की मांग उठ रही है। उसकी लहरों पर अब रेत माफियाओ का राज हैं। चंबल की लहरों से लेकर किनारे पर रेत माफियाओं ने अभेद किले बनाए हुए हैं। जिससे दिन-रात रेत का अवैध खनन अत्याधुनिक तरीके से किया जा रहा है। नाव में लगे इंजन, जनरेंटर के साथ नदी में सक्शन पाईप डालकर रेत को मशीनों से खींच रहे हैं। रेत भी नदी में ही स्टॉक करने के बाद फिर बाजार में बेच रहे हैं। खाना बनाने से लेकर पूरा घर-संसार भी इन माफियाओं ने नाव में ही बना रखा है। गांधीसागर का बैकवाटर जो जिले के संजीत क्षेत्र में आता है, यहां कचहरी पाईंट सहित आसपास के क्षेत्रों में चंबल के पानी पर नाव में लगी मशीनों व बड़े पाईप डालकर रेत निकाली जा रही है।

नाहरगढ़ थाना क्षेत्र में स्थित इस इलाके से रेत निकाली जा रह है। चंबल का यह किनारा मंदसौर जिले में आता है। यहा दिन-रात नदी में बड़ी नाव, पनडुब्बी के के जरिए रेत निकालने का काम माफिया कर रहे है। नदी के गर्भ से पानी के बीच से रेत पाईप से आती है और नाव में जमा होती है। नाव भी इतनी बड़ी की इसमें करीब 10-15 ट्रॉलों तक रेत जमा हो जाती है। इसके बाद इसे किनारे पर लाकर ट्रेक्टर व डंपरो में भरकर बेचने के लिए भेजा जाता है। बेक वाटर का दूसरा किनारा नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के कुंडला खामखेड़ी में आता है। जहां जेसीबी से रेत निकालकर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर परिवहन किया जा रहा है। नाव में ही डीजल पाइप चलने के साथ खाना बनाने के लिए गैस सिलेंडर सहित अन्य संसाधन भी जमा रहते है। नीमच-मंदसौर के साथ ही कई जिलो में यहां से रेत का परिवहन कर उसे बेचकर लाखों की अवैध कमाई की जा रही हैं।

एक ट्राली रेत की कीमत पांच हजार से ज्यादा...

किसी समय 500-1000 रूपए में प्रति ट्राली आने वाली नदी की काली रेत इन दिनो 5-6 हजार रूपए ट्राली में मिल रही है। इधर चंबल नदी में नाव के बीच जुगाड़ से मशीनों का इस्तेमाल कर रेत खींचने का काम लंबे समय से चल रहा है। मंदसौर के संजीत क्षेत्र की सीमा में नाव चलाकर रेत निकाली जा रही है जो नाव में जमा कर रहे है। इसके बाद अत्यधिक धीमी रफ्तार से रेत को लेकर यह नाव नीमच जिले की सीमा में जाकर रेत का स्टॉक कर रही है। आम लोगों को रेत की ट्रॉली 5 से 6 हजार रुपए में बाजार में मिल रही है। रेत से मोटी कमाई भले ही रेत माफियाओं का यह गिरोह कर रहा है। लेकिन शासन को इससे हर दिन राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है।

पूर्व में कलेक्टरों ने की थी कार्रवाही...

गांधीसागर के बेकवाटर में फाइटर मशीनों से अवैध रेती निकालने पर पूर्व कलेक्टर ओपी श्रीवास्तव ने 5 फाइटर मशीने अरनिया जटिया पारली के यहां से जप्त की थी। वही तत्कालीन कलेक्टर मनोज पुष्प के कार्यकाल मे भी फाइटर जप्त करने की कारवाही हुई थी। उसके बाद आजतक फायटर मशीने जप्त नहीं की गई है। जबकि, लगातार यह मशीने चल रही है और समाचार भी मय प्रूफ के प्रकाशित होते रहे है!

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त
सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा प्रांत से सम्बन्द्ध
(विवेकानन्द शिक्षण समिति सुवासरा द्वारा संचालित)

सरस्वती शिशु मंदिर उ.मा.वि.सुवासरा
जिला–मन्दसौर (म.प्र.)

** आवश्यकता है **

*** सत्र 2025–26 हेतु समर्पित,योग्य एवं अनुभवी आचार्य/दीदीयों की ***

क्र	पद	विषय	शैक्षणिक योग्यता
1	प्रवर श्रेणी आचार्य (व्याख्याता)	गणित,रसायनशास्त्र भौतिकशास्त्र,जीवविज्ञान कॉमर्स विषय अंग्रेजी, हिन्दी	सम्बन्धित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि +बी.एड निवार्य (न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव आवश्यक)
2	उच्च श्रेणी आचार्य	हिन्दी, अंग्रेजी,विज्ञान सा.विज्ञान,गणित	सम्बन्धित विषय में स्नातक उपाधि + बी.एड अनिवार्य (न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव आवश्यक)
3	सामान्य आचार्य (कक्षा 6 से 8 तक के लिए)	गणित,विज्ञान,सा.विज्ञान, कम्प्यूटर, अंग्रेजी स्पोकन	सम्बन्धित विषय में स्नातक उपाधि + बी.एड या डी.एड (अनिवार्य अनुभवी को प्राथमिकता)
4	सामान्य आचार्य Nur. To 2nd (English Medium)	हिन्दी ,अंग्रेजी ,गणित विज्ञान,सा.विज्ञान , कम्प्यूटर, अंग्रेजी स्पोकन	सम्बन्धित विषय में स्नातक उपाधि + बी.एड या डी.एड अनिवार्य अनुभवी को प्राथमिकता।
5	कम्प्यूटर ऑपरेटर	कम्प्यूटर कार्य	स्नातक उपाधि + PGDCA/DCA
6	खेल आचार्य (PTI)		स्नातक उपाधि + बी.पी.एड
7	संगीत आचार्य		सम्बन्धित विषय में स्नातक उपाधि
8	वाहन चालक		5 वी, 10 वी उत्तीर्ण + हैवी ड्राइविंग लाइसेंस
9	वाहन परिचालक		5 वी, 8 वी उत्तीर्ण
10	पुरूष/महिला सेवक		5 वी, 8 वी उत्तीर्ण
11	चौकीदार	पूर्णकालिक	8 वी उत्तीर्ण

आलोक–(कक्षा Nursery से 2nd पुर्णतः अंग्रेजी माध्यम में शिक्षण)

- कक्षा Nursery से 2nd तक पूर्णतः अंग्रेजी माध्यम के आचार्य/दीदीयों को विशेष प्राथमिकता।
- वेतनमान 7000 से 14000 तक पद, योग्यता व अनुभव के अनुसार रहेगा।
- आवेदन करने की अंतिम तिथि 05 मार्च 2025 रहेगी, लिखित परीक्षा 23 मार्च 2025 को आयोजित होगी।
- आवेदन पत्र कार्यालय से 200 रू. जमा करके प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 2:00 के बीच प्राप्त कर सकते है।
- आवेदन पत्र के साथ समस्त दस्तावेजों की छायाप्रति के साथ वर्तमान दिनांक का पासपोर्ट साइज फोटो लगाना अनिवार्य है।
- नियुक्ति हेतु संस्था द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्ते लागू रहेगी।

व्यवस्थापक
श्री पुरूषोत्तम व्यास
स.शि.म.उ.मा.वि.सुवासरा
मो. 9407109964

प्राचार्य
श्री मनीष पाटीदार
स.शि.म.उ.मा.वि.सुवासरा
मो. 9907941027

व्हाइट हाउस की प्रेस वार्ता के बाद ट्रंप ने भी अपनाई विश्व गुरु की नीति...

मंदसौर/उज्जैन, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। बीती 20 जनवरी को जब से डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के विधिवत राष्ट्रपति बने, उसके महीने भर पहले से ही उनकी विदेश और आर्थिक नीतियों ने दुनिया भर के राजनीतिको और नागरिकों को चिंता में डाल दिया था। सबसे ज्यादा वहां रह रहे प्रवासी अमेरिकियों को, जिनको अब बलात खदेड़ा जा रहा है। इसके अलावा विश्व स्तर पर रूस-यूक्रेन युद्ध का मामला भी था। जिसमें ट्रंप की घोषणाओं से लेकर राष्ट्रपति बनने के बाद की भूमिका जो सार्वजनिक हो चुकी है। जेलेंस्की- ट्रंप की वार्ता के बाद ट्रंप को ही यूरोपीय राष्ट्रों की आलोचना सुनना पड़ रही है। यह ट्रंप और अमेरिका लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस के ओवल कच्छ में डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की आपसी चर्चा के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता हुई थी। इस परंपरा के लाइव शो के दौरान दुनिया ने देखा कि डोनाल्ड ट्रंप लगातार जेलेंस्की पर अपनी बात मानने के लिए दबाव डालते नजर आए। एक तरह से अपनी मदद को एहसान की तरह दिखाकर सिर्फ उनकी सलाह मनवाना चाह रहे थे।

चन्द्रमोहन भगत

जबकि, जेलेंस्की यूक्रेन में पूर्ण शांति स्थापित करने की गारंटी चाह रहे थे। इस वार्ता में अमेरिकी उपराष्ट्रपति भी बीच में कूदे पर बगैर आश्वासन के जेलेंस्की तैयार नहीं हुए थे। सार्वजनिक लाइव शो के दौरान दोनों नेताओं की गरम बहस को दुनिया भरने देखा था। यूरोपीय देशों से जिस तरह की प्रतिक्रिया आई है, उसमें अधिकांश ने यूक्रेन के पक्ष में अपनी राय दी है। डोनाल्ड ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री की सत्ता पर एकाधिकार की नीतियां एक ही जैसी है और विरोधियों के प्रति नजरिया भी। डोनाल्ड ट्रंप बीती भारत यात्रा के समय भारतीय मीडिया की भूमिकाओं पर यह तक कह गए थे कि ऐसा मीडिया मेरे यहां हो तो मैं चुनाव नहीं हर सकता हूं। शायद उन्हें यही अपना डायलॉग ओवल की प्रेस वार्ता के बाद याद आ गया है।

इसी कारण अमेरिका व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने पहले से चली आ रही राष्ट्रपति की प्रेस संहिता में परिवर्तन कर डाला। कुल मिलाकर अब प्रचार अभियान विश्व गुरु की नीति की तरह चलाया जाएगा। इसका उदाहरण व्हाइट हाउस में हुई 26 फरवरी की कैबिनेट बैठक में दिखा था। जब न्यूज़ एजेंसी एपी के रिपोर्टर राइटर के फोटोग्राफर हंफिगटन पोस्ट और जर्मन अखबार के रिपोर्टर्स को प्रवेश नहीं करने दिया गया था। जबकि, सरकार समर्थक अनेक एजेंसियों और मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को प्रवेश दिया गया था। ऐसा अमेरिका के 111 साल में पहली बार हुआ है।

इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति की दुनिया भर की प्रेस वार्ता पहले व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंस संगठन प्रबंधित करता रहा है। जिसे व्हाइट पुल कहा जाता है। ऐसे समूह में तीन रिपोर्टर्स एजेंसियों के दो प्रिंट ऑनलाइन एक रेडियो मीडिया के रिपोर्टर के अलावा चार फोटोग्राफर एक टीवी क्रूज होते रहे हैं। इसे व्हाइट हाउस के अधिकारी कमांड करते रहे थे। अब व्हाइट हाउस ने जेलेंस्की की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद विश्व गुरु की सीख अपना ली है। नतीजा प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने घोषणा कर दी है कि राष्ट्रपति ट्रंप से संबंधित समाचार, प्रेस वार्ता के सभी निर्धारण अब व्हाइट हाउस की आधिकारिक मीडिया टीम करेगी ना कि व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंस संगठन।

मतलब साफ है कि भारतीय मीडिया की तरह जो पीएमओ या पार्टी कार्यालय से समाचार जारी होंगे, वही दिखाना, छापना, सुनाना पड़ेंगे। अगर संयुक्त राष्ट्र अमेरिका जैसा पहला लोकतांत्रिक गणराज्य प्रेस स्वतंत्रता पर भेदभाव करना शुरू कर चुका है तो संभव है की प्रेस फ्रीडम इंडेक्स के मापदंडों में भी बदलाव किया जा सकता है। वर्तमान में 180 देश में भारत का स्थान 159 नंबर पर है। जबकि, पड़ोसी पाकिस्तान 152, श्रीलंका 150, भूटान 147, और नेपाल 74वें स्थान पर है।

विचार-मंथन

नए आर्थिक और रणनीतिक रास्तों की तलाश

पिछले कुछ वर्षों के दौरान वैश्विक स्तर पर सहयोग के समीकरणों में तेजी से बदलाव हो रहा है, उसमें ज्यादातर देशों के लिए यह बात मायने रखती है कि आर्थिक, रणनीतिक और कूटनीतिक मोर्चे पर भारत का रुख क्या रहता है। यह बेवजह नहीं है कि अलग-अलग देश अपने तरीके से भारत के साथ सहयोग के नए रास्ते खोजने की कोशिश कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के इस बार राष्ट्रपति बनने के बाद कई मसलों पर अमेरिका का रुख छिपा नहीं है। ट्रंप के कई बयानों से वैश्विक स्तर पर उपजी अनिश्चितता के बीच यह स्वाभाविक ही है कि दूसरे देश भावी अवरोधों के मद्देनजर नए और वैकल्पिक रास्तों की ओर कदम बढ़ाएं। इस लिहाज से देखें तो यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन की ताजा भारत यात्रा की अपनी अहमियत है। गौरतलब है कि बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष का मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग को बढ़ाना है। उनके साथ सत्ताईस सदस्य देशों के वरिष्ठ राजनीतिक नेता भी भारत दौरे पर आए हैं। भारत के प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी साझेदारी को और ज्यादा मजबूत करने के साथ-साथ भारत, पश्चिम एशिया, यूरोप आर्थिक गलियारे जैसी अत्यधिक महत्वपूर्ण संपर्क परियोजनाओं पर व्यापक चर्चा की। यूरोपीय संघ और भारत के बीच व्यापार लगभग एक सौ साठ बिलियन डालर का है। फिलहाल यूरोप में करीब पचास लाख भारतीय रहते हैं और भारतीय पेशेवरों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जाहिर है, अगर यूरोपीय संघ और भारत के बीच साझेदारी का नया अध्याय शुरू होता है, तो उसमें इन तथ्यों की अहम भूमिका रहेगी। यही वजह है कि यूरोपीय संघ की अध्यक्ष की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाने पर संवाद को आगे बढ़ाया है। इस क्रम में मुक्त व्यापार समझौते के जरिए दोनों क्षेत्रों में व्यापार को बढ़ावा देने, बाजार तक पहुंच में सुधार लाने और परस्पर आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। साथ ही, बाहरी अंतरिक्ष, रक्षा, जल प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग की संभावना बेहतर होने की उम्मीद है। एक रपट के मुताबिक, भारत में मौजूदा समय में छह हजार से अधिक यूरोपीय कंपनियां काम कर रही हैं। वे लाखों नौकरियों का सृजन कर रही हैं और इस तरह भारत के आर्थिक विकास में योगदान दे रही हैं। ऐसे में अगर यूरोपीय संघ और भारत के बीच आर्थिक सहयोग का माहौल बेहतर हो तो दोनों पक्षों के बीच निवेश के नए रास्ते खुल सकते हैं और कारोबारी माहौल में और सुधार हो सकता है। हालांकि इस संदर्भ में यह भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि यूरोपीय संघ अगर भारत के साथ अपने व्यापार संबंधों को बढ़ाने की कोशिश में है, तो इसके पीछे चीन के जोखिम से पार पाना भी एक मुख्य कारण है। यूरोपीय संघ से कार, शराब और अन्य उत्पादों पर ऊंचे आयात शुल्क, यूरोपीय बाजार में उसकी दवाओं और रसायनों तक भारत की ज्यादा पहुंच, भारत की ओर से कार्बन टैक्स के प्रस्ताव का विरोध, डेटा सुरक्षा आदि कई ऐसे बिंदु हैं, जिन पर सहमति की बुनियाद पर ही दोनों पक्षों के बीच संबंधों का यह सफर आगे बढ़ सकेगा। यह जरूरी होगा कि अगर इस वर्ष के अंत तक एक मुक्त व्यापार समझौता सामने आता है, तो वह आपसी हितों को सुनिश्चित करने वाला हो।

धर्म, कर्म, ज्ञान और प्रेम का अद्भुत समागम है प्रयागराज

डॉ दिनेश चंद्र सिंह

यदि लेखन में अनुभूति, सत्यता और निर्भीक होकर अपने अनुभूति जन्य भावों को प्रकट करने की क्षमता का अभाव है तो ऐसा लेखन निंदनीय और अपठनीय होता है। सच कहूं तो मैंने अपने जीवन में महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी, जनकवि कबीर जी को जिया है, अर्थात निराला जी की योग्यता के साथ आर्थिक विपन्नता का दंश भी झेला और क्षत्रिय कुल में जन्म लेकर भी नाम के आगे टाइटिल नहीं लगाने का साइड इफेक्ट्स भी झेला। परंतु जैसे सत्य पराजित नहीं होता है, उसी प्रकार शिक्षा पर आधारित ज्ञान, योग्यता, दक्षता को भी किसी प्रकार से पराजित नहीं किया जा सकता है। काव्यात्मक शब्दों में कहूँ तो- संपदा से कहीं अधिक जग में, मान-सम्मान की जरूरत/जरारत है, यार, मेरा ख्याल है तुझको, सिर्फ ईमान की जरूरत है। जिसने बख्शी तुम्हें बुलंदी, तुम, उसको पांवों की धूल मत समझो, खींच लेगा जमीन पर तुमको, दर्द उसका फिजूल मत समझो। दिव्य महाकुम्भ 2025 के सफलता पूर्वक आयोजन से उपरोक्त भारतीय संस्कृति के मूल की पुनः पुष्टि हुई। क्योंकि संगम के पवित्र जल में सभी विचारधाराओं के नागरिकों ने, देश विदेश के नागरिकों ने एक ही पवित्र स्थान पर एवं पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई और सभी ने अपने आप को धन्य समझा है। और मैं प्रयागराज की पवित्र भूमि पर निवासित नागरिकों को भी साधुवाद दूंगा कि मात्र 45 दिवस की अवधि में 66 करोड़ से ज्यादा अनुशासित श्रद्धालुओं के प्रयागराज में आने पर भी यहाँ के नागरिकों ने शहरी यातायात और मूलभुत सुविधाओं पर आए भारी दबाव को सहर्ष स्वीकार करते हुए श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। मसलन यही भारत की तपोभूमि की सरकार है। अतिथि देवो भवः जिसके साक्षात् दर्शन प्रयागराज में एवं आसपास के जनपदों के नागरिकों के द्वारा कराए गए। पड़ोसी जनपद जौनपुर में तैनाती के कारण अतिथियों की व्यवस्था या अन्य प्रशासनिक कार्यों से उनकी सेवा का अवसर मुझे भी मिला, इसके लिए मैं विनम्रता के साथ अपने को अहोभाग्यशाली एवं जनसेवक मानता हूँ। ऐसा सौभाग्य मुझे सेवा के रूप में जीवनपर्यंत मिले, यही मनोकामना है। पुनः प्रयागराज वासियों की सहृदयता, सहनशीलता तथा अतिथियों के प्रति आदर-सम्मान की भावना से हृदय से सम्मान और माननीय मुख्यमंत्री योगी जी की प्रशासनिक दक्षता, राजनीतिक दूरदर्शिता, जनमानस तथा भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठा का कायल हूँ, क्योंकि इन सबका अनूठा संगम आपके व्यक्तित्व में प्रखरता से प्रकाश पुंज की तरह आलोकित हुआ है।

चिरंतन सत्य उक्ति है कि सत्य कभी पराजित नहीं होता है। हां, सत्य की जीत में प्रतीक्षा होती है। आज मैं ध्यान दिलाता हूँ प्रयागराज की कुछ तहजीब और हेकड़ी जनित व्यवस्था की ओर, जिसके बारे में आपको जानना समझना चाहिए। मसलन, प्रयागराज की तहजीब और ज्ञान के प्रति अनुराग को देखना हो तो कहना न होगा कि तदसमय रिक्शा चालक भी हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू के समस्त दैनिक पेपर (अखबार) पढ़े बिना किसी भी दाम पर सवारियों को रिक्शा पर नहीं बैठता था। आज क्या स्थिति है, मुझे मालूम एवं अनुभूति नहीं है। वहीं, हेकड़ी की बात करूँ तो प्रत्येक शिक्षित, अशिक्षित व्यक्ति जिसको अपने बाहुबल पर अपनी सियासत और दबदबा कायम करना होता था, वह बात-बात पर अमा बम्ब दागकर चीथड़े उड़ा दूंगा कहते हुए सुना ही नहीं जाता था अपितु अनेक घटनाओं को कारित होते हुए सुना एवं देखा है। इसलिए बिना किसी का नाम अभिव्यक्त किए यह बताना पर्याप्त है। चूंकि धर्म, आस्था, ज्ञान व प्रेम की नगरी प्रयागराज में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले ज्ञान के सागर अपराधी भी कई प्रकार के संरक्षण में खूब नामी-गिरामी बने रहे। वह इस शहर से चमकने वाले लेखक, शिक्षाविद, न्यायाधीश, राजनीतिज्ञ और प्रशासनिक अधिकारियों से भी ज्यादा शक्तिशाली और पॉपुलर (प्रसिद्ध) हुए। हालांकि, वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री योगी जी के सशक्त नेतृत्व में ऐसे सभी तत्व अब पाताल वासी हो गए हैं। वहीं, चर्चा जब प्रयागराज की हो तो इलाहाबाद के प्रसिद्ध सुपाच्य यानी पाचन योग्य और प्रोटेम रिच तथा सभी प्रकार से गुणकारी इलाहाबादी अमरूद के गुणों का उल्लेख किये बिना लेख को समाप्त करना उचित नहीं होगा। मेरी अल्प बुद्धि, ज्ञान और अनुभव से मैंने यह अनुभूति की है कि प्रयागराज की ज्ञान की प्रतिभा को आयुर्वेदिक दृष्टि से प्रौढ़ता के साथ अपने पराक्रमी रूप में छात्र-छात्राओं, योग्य सभी क्षेत्र के ज्ञानी मनीषियों के पाचनतंत्र को शुद्ध और हाजमे को उत्कृष्ट रखने के लिए इलाहाबादी अमरूद की महिमा का वर्णन भी अत्यंत महत्वपूर्ण, अति आवश्यक है। यहाँ के गरीब छात्र-छात्राएं या आर्थिक दृष्टि से कहीं भी अभाव वाले, किसी भी क्षेत्र के नागरिकों की जीवन चर्या को एवं व्यक्तित्व को रोगमुक्त करने में इलाहाबादी अमरूद अत्यंत महत्वपूर्ण, आवश्यक रहा है। कम पैसों में यह वर्णन मेरे समय का है। अभी भी कम रुपये में वहां के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए रामबाण और उपयोगी है और रहेगा। जिसके कारण यह अध्ययन रत छात्र-छात्राओं और माननीय न्यायाधीश, विद्वान अधिवक्ताओं, लेखकों, और शिक्षा विद राजनीतिज्ञों, कर्मकारों और सामान्य नागरिकों की जीवन चर्या का अभिन्न, कम मूल्य मिलने वाला विश्व का सबसे प्रतिष्ठित एवं बिकने वाला फ़ल इलाहाबादी लाल अमरूद सदैव पवित्र तीर्थराज प्रयागराज की पावन भूमि पर आकर्षण का केंद्रबिंदु रहेगा। इलाहाबादी गुलाबी अमरूद में पर्याप्त मात्रा में मौजूद विटामिन सी इम्यून सिस्टम को दुरुस्त करता है। उत्कृष्ट गुणवत्ता यानी बेस्ट क्वालिटी के फाइबर हमारे पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद हैं। फाइबर की वजह से पेट में गैस जैसी समस्याएं नहीं होती हैं और हमारी आँतें साफ रहती हैं। अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम के कारण दिल के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है। खट्टेपन की वजह से कम कैलोरी मोटापे को रोकता है और शुगर एवं ब्लड शुगर कंट्रोल करता है। इसमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन भी पाया जाता है। इससे स्वस्थ त्वचा बनती है तथा विटामिन ए आंखों को ठीक रखता है। इसलिए इलाहाबादी अमरूद छात्र-छात्राओं को और प्रयागराज के बुद्धिजीवियों तथा सभी का प्रिय है।उपरोक्त कारणों से भी यहां के छात्र-छात्राएं प्रतियोगिता परीक्षा में बाजी मार लेते हैं, क्योंकि स्वस्थ रहने के कारण उनकी सफलता का प्रतिशत भी औसत रूप से अधिक रहता है। अतः इलाहाबादी अमरूद भी यहां की शान है और ज्ञान के अलख को प्रकाशित रखने के लिए आवश्यक है। एक खास बात और, अमरशहीद चंद्रशेखर और अल्फ्रेड पार्क के बिना प्रयागराज की चर्चा अधूरी रहेगी।

अनुभव की सीढ़ियां- संघर्ष और आत्मज्ञान की अनमोल यात्रा

पल्लवी सिंह

जीवन यात्रा निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें मनुष्य को अपने अस्तित्व के हर पहलू को समझने और परिभाषित करने का अवसर मिलता है। यह यात्रा केवल शारीरिक या भौतिक नहीं होती, बल्कि यह मानसिक, आध्यात्मिक और भावनात्मक भी होती है। मनुष्य जन्म से मृत्यु तक अनगिनत अनुभवों और बदलावों से गुजरता है। इन अनुभवों का सार ही उसे परिपक्व बनाता है और उसकी यात्रा को सार्थक करता है। जीवन की इस यात्रा में शिशु अवस्था से लेकर वृद्धावस्था तक हर पड़ाव का अपना महत्व है। शिशु के लिए यात्रा उसके पहले कदम से शुरू होती है, जहां वह चलना, बोलना और अपने आसपास की दुनिया को पहचानना सीखता है। बचपन में खेल-कूद और शिक्षा उसकी यात्रा के प्रमुख पड़ाव होते हैं। किशोरावस्था में उसके सामने सपनों की उड़ान और आत्मनिर्भरता की चाह होती है। फिर युवावस्था आती है, जो किसी भी मनुष्य की यात्रा का सबसे चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण चरण होता है। इस समय में वह अपने जीवन के उद्देश्य तय करता है, अपने भविष्य की नींव रखता है और कठिन परिश्रम से सफलता पाने के लिए प्रयासरत रहता है। जीवन यात्रा में संघर्ष और अनुभव का अद्भुत महत्व है। संघर्ष न केवल हमारी क्षमताओं को परखता है, बल्कि यह हमें अपने उद्देश्य के प्रति दृढ़ बनाता है। हर असफलता, हर बाधा हमें एक नई सीख देती है। कहते हैं कि अनुभव ही सबसे बड़ा शिक्षक होता है। यह अनुभव हमें सिखाता है कि किस तरह अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ा जाए। महान विचारक आइंस्टीन ने कहा है, 'जिंदगी जीने के दो ही तरीके होते हैं। एक, ऐसे जैसे कि कुछ भी चमत्कार नहीं है। दूसरा, ऐसे जैसे कि सब कुछ एक चमत्कार है।' यह विचार हमें सिखाता है कि जीवन की यात्रा को कैसे देखें और कैसे उसमें से आनंद और प्रेरणा प्राप्त करें। जब हम इस यात्रा को संघर्ष और आनंद के संतुलन के साथ जीते हैं, तभी हम इसका सही अर्थ समझ पाते हैं। हर मुश्किल में अवसर छिपा होता है, और हर अवसर में नया अनुभव। हमें जीवन के इन अवसरों को समझकर, उनका भरपूर उपयोग करना चाहिए। कई बार हम अपने गंतव्य पर अधिक ध्यान देते हैं और उस यात्रा के आनंद को भूल जाते हैं, जो हमें वहां तक ले जाती है, लेकिन सच्चाई यह है कि जीवन का असली सुख उस यात्रा में है, जो हमें गंतव्य तक ले जाती है। यह यात्रा हमें न केवल बाहरी दुनिया को देखने का मौका देती है, बल्कि अपनी आत्मा के भीतर झांकने का भी अवसर देती है। यह भी सच है कि जीवन की यात्रा कभी सीधी और सरल नहीं होती। यह एक घुमावदार पथ की तरह होती है, जिसमें कई मोड़, चढ़ाई और उतार आते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है कि हम अपनी मंजिल से दूर हो गए हैं, लेकिन अगर हम निरंतर चलते रहते हैं, तो वह मंजिल हमें जरूर मिलती है। भौतिक यात्रा के साथ-साथ जीवन की आध्यात्मिक यात्रा का भी विशेष महत्व है। यह यात्रा हमें हमारे भीतर छिपी ऊर्जा और शक्ति को पहचानने का अवसर देती है। आत्मचिंतन और ध्यान के माध्यम से हम अपने भीतर छिपी अनंत संभावनाओं को खोज सकते हैं। कई बार मनुष्य बाहरी सुख और उपलब्धियों को अपने जीवन की यात्रा का उद्देश्य मान लेता है। मगर असल में सच्चा सुख और शांति आत्मा की गहराई में छिपी होती है। इसीलिए जीवन यात्रा का असली उद्देश्य आत्मज्ञान प्राप्त करना और अपने भीतर शांति को अनुभव करना है। अपने जीवन की यात्रा में हमारा सामाजिक और नैतिक योगदान भी अहम भूमिका निभाता है। एक अच्छा मनुष्य वह है, जो न केवल अपने लिए, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सकारात्मक पदचिह्न छोड़ जाए। हमारे जीवन की यात्रा का अर्थ केवल अपनी इच्छाओं की पूर्ति नहीं है, बल्कि यह दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने में भी निहित है। हमें अपने कार्यों और विचारों से ऐसा प्रभाव छोड़ना चाहिए, जो दूसरों को प्रेरित करे। अपने जीवन के दायरे में केंद्रित दृष्टि मानवीयता के पक्ष को कमजोर करती है। फिर हम दूसरों से उम्मीद करने की स्थिति में खुद को नहीं पाते हैं। जीवन यात्रा का अंतिम पड़ाव मृत्यु है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि यात्रा यहीं समाप्त हो जाती है।

जलवायु परिवर्तन के चलते हिमालय में तेजी से सिकुड़ रही बर्फ की चादर, बढ़ेगा जल संकट

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के चलते इस साल पहाड़ों में बर्फबारी घटी है। इससे पहाड़ी राज्यों में पर्यटन और खेती पर भी असर पड़ा है। साल दर साल घटती बर्फबारी और बढ़ती गर्मी से पहाड़ों में जमी बर्फ में भी कमी आ रही है। हाल के एक अध्ययन में सामने आया है कि हिमालय की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के ऊपरी हिस्से में हिम आवरण 150 मीटर तक घट गया है। सेटेलाइट से प्राप्त तस्वीरों के जरिए किए गए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने तेजी से घटते ग्लेशियरों को लेकर चिंता जताई है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि लगातार बढ़ते तापमान और बर्फबारी में कमी से हिमालय के इस क्षेत्र में ग्लेशियर का पिघलना तेज हो सकता है। इससे हिमालय के बर्फ भंडारों पर निर्भर जल संसाधन और पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ सकता है। अमेरिका स्थित निकोल्स कॉलेज में पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर और ग्लेशियर का अध्ययन करने वाले ग्लेशियोलॉजिस्ट मौरी पेल्टो ने अपने इस अध्ययन में बताया है कि अक्टूबर 2023 से जनवरी 2025 की शुरुआत तक नासा के सेटेलाइट से प्राप्त चित्रों का विश्लेषण करने पर पाया गया है कि 2024 और 2025 में माउंट एवरेस्ट पर तेजी से बर्फ कम होती गई। दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत शिखर माउंट एवरेस्ट पर बर्फ में कमी ये दर्शाती है कि जलवायु खतरनाक स्तर पर गर्म होता जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक तापमान इतना बढ़ गया है कि बर्फ गल कर पानी नहीं बन रही बल्कि सीधे वाष्प में परिवर्तित हो जा रही है। बर्फ के सीधे वाष्प में बदलने से प्रतिदिन 2.5 मिमी बर्फ की तह का नुकसान हो रहा है। दिसंबर 2024 में नेपाल में सामान्य से 20-25 फीसदी अधिक बारिश हुई, जबकि पहले मौसम काफी गर्म बना रहा। जनवरी 2025 में लगातार गर्म परिस्थितियां बनी रहीं, जिससे दिसंबर की शुरुआत से फरवरी 2025 की शुरुआत तक तेजी से बर्फ गलने से ऊंची हिम रेखाएं दिखने लगीं। जीबी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट के पूर्व वैज्ञानिक डॉक्टर जेसी कुनियाल कहते हैं कि बढ़ते जलवायु परिवर्तन के कारण जंगलों में आग के मामले बढ़े हैं। इससे हवा में ब्लैक कार्बन का स्तर बढ़ा है। ये ब्लैक कार्बन हवा के साथ ग्लेशियर तक पहुंच रहा है। ब्लैक कार्बन ग्लेशियर की सतह पर जमा हो कर उसका तापमान तेजी से बढ़ा देता है। इससे भी ग्लेशियरों के गलने की गति में इजाफा हुआ है। वहीं पहाड़ों पर बढ़ती गाड़ियां भी ब्लैक कार्बन के उत्सर्जन का एक बड़ा कारण है। एक दशक में 2 मिलीमीटर घटी बर्फबारी नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर और इसरो के वैज्ञानिकों के रिसर्च गेट में छपे एक अध्ययन के मुताबिक हिमालय पर्वतमाला के दो अलग-अलग भौगोलिक स्थानों, नुब्रा और भागीरथी घाटियों पर तीस वर्षों (1991-2020) के बर्फबारी के आंकड़ों पर नजर डालने पर पता चलता है कि नुब्रा में बर्फबारी में हर 10 साल में 2 मिलीमीटर की कमी दर्ज की गई है। ये घाटियाँ काराकोरम और महान हिमालय पर्वतमाला के अंतर्गत आती हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते दोनों घाटियों में बर्फबारी में तो कमी आई लेकिन बारिश बढ़ी है। अध्ययन में पाया गया कि पिछले तीन दशकों में दिसंबर के महीने में काफी उतार चढ़ाव देखा गया है। डीआरडीओ के वैज्ञानिक एम. आर. भूटियानी ने अपने एक शोध में अगले 120 सालों में उत्तर-पश्चिमी हिमालय में अधिकतम तापमान 3 डिग्री तक बढ़ने की संभावना जताई है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5524

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5523

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5524

1	2		3	4	■	5	6
7		■	8		9		
10		11		■	12		■
	■		■	13		■	14
15	16		17	■	18	19	
■		■	20				■
■	21			■	■	22	23
24		■	25			■	

संकेत: बाएं से दाएं

1. मुगल सम्राट अकबर का जन्म 15 अक्टूबर 1542 को यहां के राणा वीरसाल के महल में हुआ था (5)
5. बेबाक, चुकता किया हुआ (2)
7. निंदनीय, अहंकार, नशा (3)
8. देवमंदिर, खुदा का घर (5)
10. आकुल होना (4)
12. पुराणानुसार सुषेण की कन्या और बाली की पत्नी का नाम (2)
13. विश्वामित्र के पिता और कुशिक राजा के पुत्र का नाम (2)
15. वे प्राणी जो पृथ्वी पर विचरित होते हों (4)
18. देश व राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने के नियम (3)
20. अभ्यास, योग्यता, कार्यक्षमता (4)
21. हंसी, उपहास, विनोद (3)
22. पैगंबर, ईशदूत, रसूल (2)
24. योगी, ब्रह्मचारी, संन्यासी (2)
25. प्राचीन भारत का प्रसिद्ध ज्ञानकेंद्र (3)

ऊपर से नीचे

1. कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से सात दिनों के पैदल मार्ग पर हिंदुओं का एक तीर्थ स्थान जहां बर्फ के शिवलिंग के दर्शन होते हैं (5)
2. मनोज, कामदेव, आलिंगन का एक भेद (3)
3. अपशब्द कहना, बुरा-भला कहना (3)
4. मंदिर में घंटा बजने का शब्द, एक अंग्रेजी तौल जो 29 मन के बराबर होती है (2)
5. पश्चिम अफ्रीका के देश घाना की यह राजधानी है (3)
6. पिता का पिता यह कहलाता है (2)
9. धोखा देने की भावना (5)
11. गंडा-तावीज, आभूषण, अंगरखी (3)
14. गौरव, बड़ी प्रतिष्ठा (2)
16. कमबुद्धि, नासमझ (4)
17. झूमते या इतराते हुए चलना (3)
19. नया, नवीन, नवल (3)
23. जमीन नापने की प्राचीन नाप (2)

वर्ग पहेली 5523 का हल

को	ल	का	ता	■	भी	मा	द
ही	य	न	■	■	म	ह	ल
■	ली	न	■	को	■	स	ह
का	न	■	वि	रा	ट	■	भ
ल	■	सू	र	ज	■	श	■
बे	टा	■	ह	रा	म	ह	ल
ला	ल	क	■	च	ह	ना	■
■	ना	द	ना	■	क	ज	री

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

थारो म्हारो प्रेम का फर्स्ट लुक राजधानी दिल्ली में होगा लॉन्च

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। राठौर फिल्म एंड एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनने जा रही देश की पहली मालवी बोली में निर्मित रोमांटिक फिल्म थारो म्हारो प्रेम की शूटिंग के प्रोमो से हुआ श्री गणेश मंदसौर अंचल में भगवान पशुपतिनाथ जी माता देव डूंगरी धर्मराजेश्वर लदुना का किला और मालवा की संस्कृति दाल बाटी चूरमा मालवा की होली , मांडा,संध्या और मालवी बोली में लिखने वाले कवियों कवयित्रियों कलाकारों और स्थानीय कलाकारों के साथ में मालवा अंचल के जो बॉलीवुड में अपना नाम बना चुके स्थापित कलाकार इन सभी को लेकर ग्राम साबाखेडा में सीतामऊ में ,लदुना में ,मंदसौर में मंदसौर की शिवना पुलिया पर, भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में ढोल नगाड़ों के साथ बैल गाड़ियों पर आई बारात गांव के परिवेश में बन्ना बन्नी के गीत सभी का शूट किया जा रहा है।

उज्जैन महाकाल परिसर भोपाल की झील तालाब इत्यादि कई स्थानों पर खासकर मांडू मांडव गढ़ रानी रूपमती का महल इसमें पर्यटन की दृष्टि से कई स्थलों का गांधी सागर बांध का प्राचीन मंदिरों का सुवासरा स्थित मालविका देवी की आदमकद प्रतिमा का गणेश मगरा का इन सभी का बडी खूबसूरती से इस फिल्म के माध्यम से दिखाया जाएगा प्रदर्शित किया जाएगा मालवा की लोक कला लोक संस्कृति ग्रामीण परिवेश ग्राम की संस्कृति इनका बहुत सुंदर तरीके से इस फिल्म के माध्यम से दिखाया जाएगा। थारो म्हारो प्रेम के फिल्म निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौर ने बताया बाल कलाकार ऋषभ जैन संग मंदसौर अंचल की स्थानीय प्रतिभाएं भी अपने अभिनय का हुनर इसमें दिखाएंगे। इंदौर के रंगकर्मी रवि वर्मा और राजेश सिंघाई भी थारो म्हारो प्रेम में भूमिका में दिखाई देंगे और सुशील जौहरी इसमें दादाजी का रोल कर रहे हैं। फिल्म के प्रोमो का एडिटिंग का कार्य मुंबई में चल रहा है और जल्दी ही इसका प्रोमो रिलीज किया जाएगा। प्रोमो रिलीज के लिए निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौर ने बोल में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में केंद्रीय पर्यटन संस्कृति मंत्री शेखावत से चर्चा कर कर उनसे दिल्ली में मिलने हेतु समय लिया है और जल्द ही दिल्ली में आपके हाथों से यह प्रोमो फर्स्ट लुक लॉन्च किया जाएगा। इन अवसरों पर जनप्रतिनिधि शासन प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। अंचल में ग्रामीणों में, दशकों में आम जनमानस में फिल्म को लेकर गजब का उत्साह है और जहां-जहां इसके लोकेशन की रेकी की जा रही है फिल्म प्रोडक्शन टीम का हर जगह भव्य स्वागत अभिनंदन भी किया जा रहा है इस अवसर पर डीओपी नायक मंजूनाथ, कास्टिंग डायरेक्टर नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, वरिष्ठ अभिनेता संतोष परसाई, सांसद प्रतिनिधि बंसीलाल राठौर, पत्रकार रितेश सोलंकी, मार्केटिंग हेड पंकज पंवार उपस्थित रहे।

प्रस्तावित जल कर वृद्धि वापस ले, जितना पानी दे उतना पैसा ले नपा-लाड़

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका मंदसौर द्वारा पहले कालाभाटा योजना, फिर चंबल योजना के नाम पर नियमित पानी देने के नाम पर जल कर वृद्धि की गई थी लेकिन वर्तमान में एक दिन छोड़कर कम प्रेशर से पानी

दिया जा रहा है। जहां नगर पालिका महीने में पानी सिर्फ 15 दिन दिया जा रहा है ओर पैसा 30 दिन का वसूला जा रहा है। नगर पालिका जितना पानी दे उतना पैसा ले। उक्त मांग जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने नगर पालिका के अध्यक्ष व मुख्य नगर पालिका अधिकारी से मांग करते हुए जन की लोक हित मे प्रस्तावित जल कर ब्रद्धि वापस ली जाए नगर पालिका जितना पानी दे उतना पैसा ले। श्री लाड ने आगे कहा कि भाजपा नेताओं ने हमेशा चुनाव में झूठ बोलकर नियमित पानी देने का वादा कर नगर पालिका मंदसौर पर पिछले 50 साल से काबिज है पर आज तक पानी आम लोगों को नियमित नहीं दे पाई। और सरकार के करोड़ों रुपए कालाभाटा बांध ओर चंबल की योजना मे लगे पर सब योजनाएं फेल साबित हुई ..? ओर नगर पालिका परिषद ने यह कह कर जल कर की वृद्धि की गई थी की अब नियमित जल देंगी लेकिन आज भी नगर में एक दिन छोड़ कर 15 दिन पानी दे कर 30 दिन का पैसा वसूल कर आम लोगों को नगर पालिका लूट रही है,यह आम जनता के साथ छलावा है...?

श्री लाड ने जनप्रतिनिधियों और जिला कलेक्टर से मांग करते हुए कहा की बढ़ती महगाई से पहले ही आमजन परेशान है इस और ध्यान दे कर आमजन को राहत प्रदान करे।

युवा संगम मेले का आयोजन 7 को सुवासरा में

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग द्वारा बताया गया कि म.प्र. शासन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम विभाग एवं तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा दिये गये निर्देशानुसार दिनांक 07 मार्च 2025 को प्रात: 11:00 बजे से शासकीय पी. जी. कॉलेज परिसर, सुवासरा जिला मदंसौर में युवा संगम का आयोजन किया जाएगा।

जल व्यर्थ न बहाएं, पानी बासी नहीं होता है-रैकवार

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हम हजारों लीटर पानी प्रतिदिन यूं ही व्यर्थ बहा देते हैं और उसका बडा ही नादानी भरा उत्तर दिया जाता है कि अरे, यह पानी तो कल भरा था इसलिए वह आज बासी हो गया है। अब यह उपयोग में लाने योग्य नहीं बचा है।

आखिर हमारी सोच को क्या हो गया है ? जो जल नलों के माध्यम से हमारे घरों में आता है वह नदी, तालाब या कुओं के माध्यम से आता है और यही जल नदी, तालाब या कुओं में वर्ष में एक बार वर्षा ऋतु में एकत्रित होता है व उसी को हम वर्ष भर पीते हैं। नदी व तालाब में पानी का प्रतिदिन उत्पादन नहीं होता है। इसलिए यह स्पष्ट है कि पानी बासी नहीं होता है। विनम्र निवेदन है कि यदि आपके यहां मटके में पानी बचा है तो उसे उपयोग में लाएं उसे ढोले नहीं। हम सब मिलकर जल बचाएं - जीवन बचाएं के अनमोल विचार को सार्थक बनाएं। उक्त बात समाजसेवी रामचंद्र रैकवार ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरुक्ता पद यात्रा में प्रकाश गंधर्व, डॉ. देवेंद्र पुराणिक, सिद्धार्थ तंवर, राजाराम तंवर, सत्यनारायण भूरिया, हरिनारायण माथुर, श्रीचंद भावनानी, रमेश सोनी, हरिशंकर शर्मा, इंजी. एस के जैन, बंशीलाल टांक, अजीजुल्लाह खान, राजेश मेड़तवाल, मोहनलाल चौधरी, आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

भारतीय किसान संघ मालवा का स्थापना दिवस कल मनाया जाएगा

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारतीय किसान संघ द्वारा 4 मार्च को संघ का 47वां स्थापना दिवस प्रदेश के सभी जिला, तहसील मुख्यालय एवं ग्राम समितियां स्तर पर मनाया जाएगा। जिसके तहत मंदसौर जिले में भी आयोजन किये जायेंगे।

भारतीय किसान संघ मालवा के प्रांत महामंत्री रमेश दांगी ने बताया कि राष्ट्रर्षि श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगडीके द्वारा राजस्थान प्रांत के कोटा शहर में 4 मार्च 1979 को नामकरण एवं संगठन की उद्घोषणा की गई संगठन भाव दृढ हो इसका स्मरण कराना इस उत्सव का उद्देश्य रहता है भारतीय किसान संघ की स्थापना विश्व के प्रसिद्ध महान चिंतक एवं विचारक दत्तोपंत ठेंगडी की प्रेरणा से हुई थी भारतीय किसान संघ किसानों का किसानों के लिए किसानों द्वारा चलाए जाने वाला राष्ट्रवादी गैर राजनीतिक संगठन है यह किसी भी राजनीतिक दल या राजनेता का पिछलग्गु किसान संगठन नहीं कोई भी सरकार जितनी मात्रा में किसानों के हित में काम करेगी उतनी ही मात्रा में भारतीय किसान संघ सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाएगा भारतीय किसान संघ किसानों का एकमात्र ऐसा संगठन है जिसका काम सारे भारतवर्ष में है वर्तमान में देश के सभी प्रांतों में सक्रिय काम कर है वर्तमान में 60 हजार गांव में 42 लाख की सदस्यता है और अधिकतर गांवों के किसान संपर्क में है। किसानों के विषय लेकर क्षेत्र या स्थान विशेष में शोर मचाने वाले स्थानीय संगठन कुछ दूर तक चलेंगे परंतु शांत हो जाएंगे लेकिन भारतीय किसान संघ तो देशभर में कार्यरत है एक सात्विक शक्ति है और सात्विक शक्ति ही समृद्धि और खुशहाली लाती है इसलिए इस समय संपूर्ण देश में भारतीय किसान संघ की आवश्यकता है। श्री दांगी ने बताया कि स्थापना दिवस हमारे चार उत्सव में से एक उत्सव है जिसे हम समर्पण दिवस के रूप में मनाते है जो प्रत्येक ग्राम समिति पर मनाया जाना है इस अवसर पर ग्राम समिति अध्यक्ष मंत्री अपने गांव से समर्पण सूची इसी दिन बनाकर तहसील में भेजना है तहसीलों के माध्यम से जिलों में जाएगी।हमारा मालवा प्रांत की प्रत्येक तहसील इसकी योजना करे।

राजपूत समाज का होली मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 29 को

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला राजपूत समाज संगठन की एक बैठक रानी पद्मावती गर्ल्स राजपूत बोर्डिंग हाल में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष श्री दशरथसिंह चंद्रावत की अध्यक्षता में हुई।

इस अवसर पर राजपूत समाज के ट्रस्ट अध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौहान ट्रस्ट सचिव के.के. सिंह भाटी, तेजपाल सिंह धाकड़ी, अजय सिंह चौहान, नगर अध्यक्ष दिग्विजयसिंह सिसोदिया उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की होली मिलन समारोह 29 मार्च को दोपहर 4 बजे आयोजित होगा जिसमें राजपूत समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को, प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कार किया जाएगा तथा नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया जाएगा जिसमे ठंडाई के प्रायोजक योगेन्द्र सिंह चुंडावत (राजा बना) कार्यक्रम के लिए कार्यविभाजन कर समितियां भी बनाई गई। जिसमें भोजन समिति के प्रभारी निर्मलसिंह सिसोदिया करोली, राजा बना एवं उनके टीम में इंद्रपालसिंह सिसोदिया, आदित्यराज सिंह सिसोदिया, रविराज सिंह एवं हर्षवर्धन सिंह को बनाया गया। प्रतिभा सम्मान समिति में धर्मपालसिंह देवड़ा, नेपालसिंह राणावत एवं लक्ष्मण सिंह चुंडावत लिए गए। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव भूपेंद्रसिंह राठौर खेड़ी ने किया एवं आभार जिला संगठन सचिव डॉ प्रीतिपालसिंह राणा ने माना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज जन श्री सज्जन सिंह चौहान, श्री धर्मपाल सिंह देवड़ा, श्री रिपुदमन सिंह चंद्रावत, श्री राजेंद्र सिंह राणा, श्री नेपाल सिंह राणावत, जितेन्द्र सिंह राणा, मानसिंह शक्तावत, रघुराज सिंह नैनोरा, भंवर सिंह परासली, पप्पू सिंह धाकड़पिपलीया, गोपाल सिंह सिसोदिया, पप्पूसिंह भूनियाखेड़ी, सत्येन्द्र सिंह सोम, लोकेंद्र सिंह देवड़ा, बनासिंह जग्गाखेड़ी, फूंदासिंह सिसोदिया, शिवप्रताप सिंह राणावत, संग्राम सिंह कुशवाह, कृष्णपाल सिंह पंवार, सामंत सिंहजी (नेताजी), श्रीमती दुर्गेश कुंवर भाटी, कुशाल सिंह शक्तावत,श्री योगेंद्र सिंह चुंडावत श्री ज्ञान सिंह राठौर श्री वीरेंद्रसिंह चौहान, श्री इंदरसिंह राणावत, श्री इंदरसिंह सिसोदिया, श्री महेंद्रसिंह भाटी, श्री श्यामसिंह टोलखेड़ी, महेन्द्र सिंह सोलंकी, भारत सिंह पंवार, विजय सिंह राठौर आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। यह जानकारी समाज के प्रवक्ता निर्मल सिंह करोली ने दी।

ऊर्जा कीर्ति सम्मान समारोह, लाइनमैन दिवस और राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। म. प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर द्वारा मंदसौर में वृत स्तर का ऊर्जा कीर्ति सम्मान समारोह, लाइनमैन दिवस और राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया जिसमें वृत के लाइन कर्मचारियों को उत्कृष्टसेवाकार्य करने हेतु कंपनी प्रबंधन द्वारा सम्मानित किया गया। लाइन कर्मचारियों द्वारा अपनी प्रतिभा अनुसार रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कॉरपोरेट कार्यालय के संयुक्त सचिव तरुण उपाध्याय द्वारा सभी कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई। अधीक्षण अभियंता आर सी जैन द्वारा लाइनमैन के सम्मान में एक स्वरचित गीत रिकॉर्डिंग कर प्रस्तुत किया गया। जिसको कंपनी प्रबंधन पूरी कंपनी में तो इस कार्यक्रम के टाइटल सांग के रूप में प्रस्तुत कर रहा है साथ ही केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय को भी यह गीत भेजा गया है, जो संभवत: राष्ट्रीय स्तर पर लाइनमैन दिवस का टाइटल सांग बन कर बजाया जाए। सभी लाइन कर्मचारी और उपस्थित सभी अधिकारी कर्मचारी ने सुरक्षा शपथ ग्रहण की।

तकनीकी कर्मचारी ने अपने स्वरचित गीत ,कविता, नाटक,एवं गीत , भजन के माध्यम से अपनी प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी। रस्साकस्सी प्रतियोगिता भी खूब मजेदार रही। इतना उत्साह पूर्वक रस्साकस्सी प्रतियोगिता हुई कि हार जीत का निर्णय होने के पूर्व ही रस्से को टूटना पड़ा। अधिकारी कर्मचारी सभी ने बिना किसी भेदभाव के आपसी समन्वय से कार्यक्रम का खूब आनंद लेते हुए रंगारंग नृत्य किया। जिसमें अधीक्षण अभियंता, सभी कार्यपालन यंत्री,सहायक यंत्री, कनिष्ठअभियंता, श्रमिक संगठन के नेता और सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आनंद लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन अनिल पाटीदार और श्रीमती नेहा सोमपुरा ने किया। आभार व्यक्त जे पी ठाकुर कार्यपालन यंत्री मल्हारगढ़ ने किया।

शिवना शुद्धिकरण कार्य योजना में 48 लाख से मंदसौर के दोनों मुक्तिधाम का विकास भी होगा

पूर्व विधायक सिसोदिया ने कहा-विधायक की भूमिका में था तब हुई थी मंजूरी

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नमामि गंगे प्रोजेक्ट के अंतर्गत मंदसौर शहर के मध्य से निकलने वाली शिवना नदी के शुद्धिकरण कार्य योजना पर 27 करोड रुपए की राशि पूर्व में स्वीकृत हुई थी, जिसका निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। इस कार्य योजना में शिवना नदी के किनारे दोनों खानपुरा तथा बड़ी पुल के मुक्तिधाम के विकास निर्माण के लिए कार्य योजना में 48 लाख रुपए की राशि पूर्व से स्वीकृत है।

यह जानकारी मंदसौर के पूर्व विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया ने लायन क्लब मंदसौर गोल्ड के द्वारा आयोजित मुक्तिधाम क्षेत्र में दानदाताओं के द्वारा दिए गए दान के प्रति आभार एवं सम्मान समारोह में कहीं, श्री सिसोदिया ने अपने उद्बोधन ने कहा कि जब शिवना शुद्धिकरण को लेकर कार्य योजना की डीपीआर बन रही थी तभी उन्होंने विधायक की भूमिका में अधिकारियों को खानपुरा तथा बड़ी पुल शिवना नदी के किनारे मुक्तिधाम के विकास को भी कार्य योजना में शामिल किए जाने का निर्देश दिया था, उसी के अनुरूप दोनों मुक्तिधाम पर शेड निर्माण, सीमेंट कंक्रीट सड़क, पेवर ब्लॉक आदि को लेकर कर योजना में शामिल कर लिया गया था। श्री सिसोदिया ने कहा कि इस संबंध में पीआईयू के अधिकारियों से उनकी चर्चा भी हुई है अधिकारियों ने निर्माण कार्य किए जाने पर सहमति देते हुए शेड निर्माण एवं अन्य कार्य किए जाने पर सहमति दर्ज की है। श्री सिसोदिया ने मुक्तिधाम अन्न क्षेत्र कमेटी, नगर पालिका परिषद, लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड, सामाजिक संस्थाएं एवं स्वयं सेवी संगठनों से आग्रह किया कि वे मुक्तिधाम विकास निर्माण के मामले में पीआईयू के अधिकारीयो से संपर्क कर पूर्व की स्वीकृत राशि को कार्य रूप में परिणित कराए। श्री सिसोदिया ने दानदाताओं से प्राप्त राशि को जन भागीदारी योजना के अंतर्गत सम्मिलित किए जाने का भी आग्रह किया ताकि शासन की राशि से तथा दान की प्राप्त राशि दुगनी हो जाएगी। श्री सिसोदिया ने लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड के पदाधिकारीयों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया कि उन्होंने मुक्तिधाम परिसर में विकास को लेकर दानदाताओं को प्रेरित किया एवं परिसर का सौंदरीकरण करने में अपनी महती भूमिका निभाई।

मप्र फार्मर आईडी जनरेट करने में प्रथम स्थान पर

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार की एग्रीस्टैक परियोजना के तहत मध्यप्रदेश में किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में फार्मर रजिस्ट्री की शुरुआत की गई है। इसमें प्रत्येक किसान के लिए एक यूनिक फार्मर आईडी बनाया जा रहा है। प्रदेश में कुल 95 लाख 18 हजार 752 प्रधानमंत्री किसान योजना के हितग्राही हैं। इसमें अब तक 56 लाख 85 हजार 337 कुल 59.73 प्रतिशत किसानों ने अपना पंजीयन करा लिया है। अब तक 56 लाख 82 हजार 234 आईडी भी जनरेट हो चुकी है।

फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों का एक डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इससे किसानों को आसान ऋण कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। अन्य योजनाओं के लिये भूमि, फसल एवं कृषकों की जानकारी का सत्यापन इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जा सकेगा। इसमें भौतिक दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। फार्मर रजिस्ट्री नवाचार में जिला कलेक्टरों द्वारा राजस्व अमले एवं कृषकों के सहयोग से कैम्प का आयोजन कर प्रदेश में 57 लाख से अधिक फार्मर आईडी बनाये जा चुके हैं। भारत सरकार की स्पेशल सेन्ट्रल असिसटेंस योजना में प्रदेश को राशि रुपये 297 करोड़ प्राप्त हो रही है। फार्मर रजिस्ट्री के तहत फार्मर आईडी जनरेट करने में मध्यप्रदेश का देश में प्रथम स्थान हैं। गुजरात दूसरे, महाराष्ट्र तीसरे, आंध्रप्रदेश चौथे और उत्तर प्रदेश पाँचवे स्थान पर है।

बजरंगबली, शंकर, राधा कृष्ण, कालिका की झांकी बनी लोगों की आस्था श्रद्धा का केंद्र..

देर रात तक खूब जमीं भजन संध्या

नीमच, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। ग्राम जमुनिया में पूर्वजों की याद में आयोजित भजन संध्या में रंगमंच के कलाकारों द्वारा बजरंगबली भोले शंकर कालिका माता का अभिनय की आकर्षक प्रस्तुति दी तो श्रद्धालु भक्ति में झूम उठे। ग्राम जमुनिया में गणेश जी के मंदिर की स्थापना के 6 वर्ष पूर्ण होने के पावन उपलक्ष्य में ग्राम सरपंच प्रतिनिधि पूर्व सरपंच विनोद जायसवाल एवं जमुनिया सरपंच श्रीमती सुमन देवी जायसवाल द्वारा अपने पूर्वजों श्रवण जायसवाल, संतोष बाई जायसवाल, अंतिम जायसवाल की पावन स्मृति में भक्ति कीर्तन कार्यक्रम की श्रृंखला में एक भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें जे.जे समूह द्वारा निर्देशित भजन संध्या एवं धार्मिक चरित्र की विभिन्न शिक्षाप्रद झांकियां का प्रदर्शन किया जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना।इस अवसर पर देवास मध्य प्रदेश से आई भजन गायिका संस्कृति पगारे, इंदौर से आए भजन गायक कलाकार विजय चौहान ने शंकर भगवान, बजरंगबली, माता कालिका एवं राधा कृष्ण के जीवन चरित्र पर आधारित विभिन्न भजनों की प्रस्तुतियां दी तो श्रद्धालु मंत्र मुक्त हो गए। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मालव दर्शन के संपादक राहुल जैन ने तू मने भगवान इक वरदान आपी दे जहां बैठो तु मने वह स्थान आपी दे मधुर करण प्रिय भजन प्रस्तुत किया तो श्रद्धालु मंत्र मुक्त हो गए।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती, मेंनारिया बस संचालक राजू नागदा, राजू मोटर बॉडी वाले, दुर्गा शंकर मेनारिया, अखिल भारतीय राष्ट्रीय जायसवाल सर्व वर्गीय की महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अर्जुन सिंह जायसवाल,मोहन नागदा, अतिथि के रूप में मंचासिन थे। आयोजन समिति पदाधिकारीयों द्वारा अतिथियों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर भारत माता की 101 दीपक से आरती की गई। कार्यक्रम का संचालन चंद्रशेखर राठौर ने किया।

अभा पूर्व सैनिक सेवा परिषद की भानपुरा इकाई ने किया सेवानिवृत सूबेदार शिवराज सिंह देवड़ा का स्वागत

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले के तहसील भानपुरा के सेवानिवृत्ति सूबेदार शिवराजसिंह देवड़ा का अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कि भानपुरा इकाई के पूर्व सैनिक व करनी सेना परिवार नगरवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सेवानिवृत्ति सूबेदार शिवराजसिंह देवड़ा की स्वागत यात्रा भानपुरा बजरंगबली चौराहा से बस स्टेशन पहुंची जहां अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर की भानपुरा इकाई के सभी पूर्व सैनिकों द्वारा सेवानिवृत्ति सूबेदार शिवराज सिंह देवड़ा का माला श्रीफल व साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया।

नगर भर में बाजे गाजे डीजे ढोल से सेवानिवृत्ति सूबेदार की स्वागत रैली निकली जिसमें नगरवासियों स्वागत पुष्पवर्षा की व जगह-जगह समाजसेवियों ने व नगरवासियों ने माला पहनकर गर्म जोशी से स्वागत सम्मान किया। स्वागत सम्मान रैली का समापन सहभोज के साथ रामपुरा गेट गणेश जी मंदिर पर हुआ। इस अवसर पर संघटन के मार्गदर्शक कप्तान गणेश दुबे, सैनिक संगठन के जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, धीरज सिंह राठौर, भानपुरा तहसील प्रभारी दिलीप धनगर, विजय कछावा, राजेश खारोल, नरेंद्र पाटीदार, राजेंद्र सिंह शक्तावत, मुकेश सोलंकी, अंतिम सोनी, अशोक माली, राजकुमार माली, अनेक सिंह, भैरोसिंह देवड़ा, राजेंद्र सिंह देवड़ा, मुकेश प्रजापति, जितेंद्र भाना, ईश्वर गोपाल मोतीलाल माली, रघुनाथ देवड़ा, राजकुमार पाटीदार, तुलसीराम शोभित रितेश उपेन्द्र सहित बड़ी संख्या में सैनिक, पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

राजनेताओं और भू- माफियाओं से...

सिर्फ दो गज जमीन ही चिता या कब्र के लिए चाहिए, किंतु जमीनें खरीदने की होड़ मची है

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रावण के पास अथाह संपदा एवं सोने की लंका थी तथा धन का देवता स्वयं कुबेर उसका बंदी था। इसी प्रकार भगवान श्री राम के राज्य में सूर्यास्त नहीं होता था, क्योंकि संपूर्ण पृथ्वी पर उनका शासन था। दैत्य राजा बलि, तीनों लोकों का स्वामी था और हिरणाक्ष्य नाम का राक्षस संपूर्ण पृथ्वी को ही रसातल में गया था।

इसी पृथ्वी के लिए कौरव- पांडव सहित अनेक राजा महाराजाओं के बीच में भयानक हिंसक युद्ध हुए किंतु एक भी माई का लाल इस पृथ्वी की एक इंच भूमि भी अपनी छाती पर बांधकर नहीं ले जा सका । किंतु वर्तमान युग में अवैधानिक तरीकों से भूमि को क्रय करने, उस पर कब्जा करने तथा सार्वजनिक भूखंडों के फर्जी कागज बनाकर उस पर आधिपत्य करने की घटनाएं बढ़ती जा रही है। इसमें भू-माफिया तथा ब्लैक मनी वाले धन्ना सेठ, अपने चहेते राजनेताओं की सहायता से इस खेल को बड़ी ही सरलता के साथ से खेल रहे हैं। हमारा देश एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है किंतु यहां सरपंच से लेकर विधायक, सांसद, मंत्री अथवा अन्य स्वशासी संस्थानों में पद प्राप्त करते ही इनमें भूमि खरीदने की होड मच जाती है तथा देखते ही देखते एक फटीचर नेता करोड़ों- अरबों का मालिक बन जाता है। बेचारे समाचार पत्र, विपक्ष और जनता उनके विरुद्ध चिल्लाती रहती है, किंतु यह बेशर्म भू-माफिया एवं नेता इन आरोपों को सिगरेट के धुएं की तरह उड़ा देते हैं। ऐसे नेता भी देखें जाते हैं, जिनकी अगली पीढी इस जमीन का सुख भोगने के लिए है ही नहीं किंतु इनकी विस्तारवादी नीति इन नेताओं को लोक कल्याण के रास्ते से भटका रही है और आजकल भारत के अनेक राजनेता इसी भटकाव के शिकार है।

अथाह संपदा होने के बाद भी अधिकांश नेता अपनी जेब से जनकल्याण के लिए कुछ नहीं देते बल्कि या तो सरकार से जुगाड़ करते हैं अथवा व्यापारियों और उद्योगपतियों का गला दबाते हैं। इनके हर सामाजिक, धार्मिक काम के पीछे एक गहरा मंसूबा होता है। इसलिए अपने पूर्वजों के इतिहास एवं देवताओं सहित राक्षसों के अंत को पहचानिए, यह जमीन किसी के बाप की नहीं और यह दौलत स्वर्ग या नरक में नहीं चलती। हमारे अच्छे बुरे कर्म ही हमारे साथ जाते हैं और पीछे छोड़ जाते हैं यश-अपयश अथवा कीर्ति या अपकीर्ति जो हमारी शव यात्रा के पीछे चलती है तथा उठावने में मृतक व्यक्ति के चित्र के सामने पुष्पांजलि करने की शैली से प्रकट हो ही जाती है। किंतु दुर्भाग्य है कि मृतक व्यक्ति इसको देख नहीं पाता परन्तु उसकी आत्मा अवश्य ही महसूस करती होगी।

रमेशचन्द्र चन्द्रे, मंदसौर

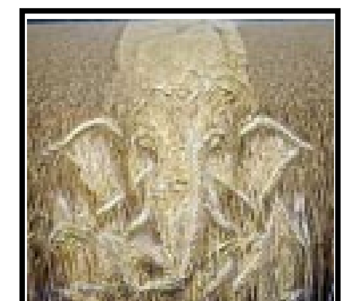

श्री गणेश नवधान का

एक बीज धारा
पर गिरा
श्रम ने सींचा
तन हुआ हरा।
ओढकों ने की
चुप रखवाली
फागुन का ताप
पकी गेहूं की बाली।
खेतों में लहलहाया
पसीना किसान का
खेत खेत में हुआ
श्री गणेश नवधान का।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

खेजड़िया बालाजी पर उत्साह से मना विधायक डंग का जन्मदिन

जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और स्नेहियों ने दी शुभकामनाएं

सुवासरा, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले की सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री हरदीप सिंह डंग का जन्मदिन 2 मार्च रविवार को खेजड़िया बालाजी पर उत्साह के साथ मनाया गया। विधानसभा क्षेत्र के साथ ही जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्नेहियों ने श्री डंग को शुभकामनाएं दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रात: विधायक श्री डंग द्वारा 52 क्वाटर स्थित बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर गोमाता की सेवा का लाभ लिया। इसके पश्चात धलपट रामद्वारा पहुंचकर शम्भुजी महाराज का आशीर्वाद लिया। इस दौरान विधायक श्री डंग का सुवासरा में कई जगह कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत का क्रम जारी रहा, इसके बाद विधायक श्री डंग बसई स्थित चंबल नदी के घाट पर पहुंचे जहां उन्होने मां चम्बल से सदैव अविरल बहने की कामना करते हुए क्षेत्र के सुख समृद्धि के लिए पूजा अर्चना की। खेजड़िया बालाजी पर हुए मुख्य कार्यक्रम में विशेष रूप से सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री चंदर सिंह सिसौदिया, पूर्व मंत्री श्री कैलाश चावला, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया, रामकथा प्रवक्ता श्री दशरथ भाई शर्मा सहित मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारियों और हजारों की संख्या में कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

विधायक डंग को दी जन्मदिवस पर बधाई

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले के सुवासरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 226 के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह डंग के 2मार्च 2025 के जन्मदिन के अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सविता डॉक्टर बालाराम परिहार उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सुनील मांदलिया एवं परिषद के समस्त सभापतिगण पार्षद गण व अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा पुष्प माला पहनाकर श्री बालाजी महाराज का प्रतीक चिन्ह सप्रेम भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया परिषद के द्वारा जन्मदिन की हार्दिक बधाइयां शुभकामनाएं प्रेषित की।

जिला स्तरीय उत्कृष्ट/मॉडल स्कूल एवं संस्कृत आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 9 को

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय उत्कृष्ट/मॉडल स्कूलों एवं संस्कृत आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए परीक्षा 9 मार्च 2025 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र मध्यप्रदेश राज्य मुक्त शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट (www.mpsos.nic.in) पर अपलोड कर दिए गए हैं। सभी आवेदकों को सूचित किया गया है कि वे अपने प्रवेश पत्र समय पर डाउनलोड करें और निर्धारित तिथि एवं समय पर परीक्षा में सम्मिलित हों। अधिक जानकारी के लिए संबंधित वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

विधायक डंग ने गो ग्रास रथ का शुभारम्भ किया

सुवासरा, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कुछ दिन पूर्व में सुवासरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 226 की तहसील सुवासरा के अंतर्गत ग्राम किशोरपुरा की सीमा मे स्थान गणेश मगरा पर परम पूज्यनीय संत श्री कमल किशोर जी नागर की भागवत कथा का आयोजन किया गया था। इसका आयोजन किशोरपुरा के पंडित कमल किशोर जी नागर के भक्त जनों द्वारा कथा का आयोजन करवाया गया था। वही उनके सानिध्य में एवं उनके मार्गदर्शन में कल दिनांक 02-03-2025 वार रविवार को सुवासरा नगर के पुराने बस स्टैंड के ओल्ड पलासिया पर सिध्दी विनायक गणपति मंदिर एवं जल मंदिर के पास सुवासरा क्षेत्र के विधायक हरदीप सिंह डंग के द्वारा गोग्रास रथ का सभी भक्त जनों के द्वारा गो ग्रास रथ का शुभारम्भ किया गया।

विधायक हरदीप सिंह डंग ने रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति जी के मत्था टेक कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। उसके बाद उन्होंने आपने उद्बोधन मे कहा की परमपूज्यनीय कमल किशोर जी नागर के द्वारा सुवासरा क्षेत्र मे सात बार भागवत कथा का सोभाग्य सुवासरा नगरवासियो को प्राप्त हुआ हैं। संत श्री नें मध्यप्रदेश मे 1000 गोशालाए खोली हैं ऐसे संत से हमे प्रेरणा लेनी चाहिए। उसके बाद सभी नागरिकों की गरिमा उपस्थिति में गो ग्रास रथ का शुभारंभ करवाया गया। कार्यक्रम में सहभागिता रखने वाले सुवासरा नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ बालाराम परिहार, वरिष्ठ समाजसेवी राम गोपाल सोनी, पूर्व रिटायर शिक्षक राजेंद्र पांडे, खाखरा वाले हनुमान समिति के वरिष्ठ सदस्य बल्लभ प्रसाद देवड़ा, स्वर्ण समाज के अध्यक्ष कमल सोनी, श्री कृष्णा राम रसोड़ा एवं विशाल भंडारे के संचालक पंकज बैरागी, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य रामगोपाल काला, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल सिंह डुंगावत, अंतरालिया के उप सरपंच भारत सिंह गुर्जर, पार्षद प्रतिनिधि एवं सभापति महेश धनोतिया, पार्षद प्रतिनिधि एवं सभापति प्रकाश जायसवाल (नानू भाई), भाजपा युवा नेता दिलीप कुमावत, अनिल रतनावत, शहर कांग्रेस के अध्यक्ष भगवती लाल मोदी, सुवासरा नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रतिनिधि राम सिँह मेहर, समाजसेवी कांतिलाल डपकरा, गोपाल कृष्ण गौशाला के किशोरपुरा के सदस्य गण पंडित शिवनारायण व्यास, योगेश माली, जगदीश व्यास, मदन सिंह माली, पूर्व रिटायर फौजी श्याम सिंह देवड़ा, रूप सिंह, महेंद्र सिंह, नारायण सिंह, राम सिंह, रणजीत सिंह, कैलाश मोदी, आदेश पाटीदार, दशरथ पाटीदार, राहुल व्यास, मनीष काला, राजू मेहर और भी कई भक्त जनों ने बढ चढ कर हिस्सा लिया। उक्त आशय की जानकारी कमल किशोर जी नागर के परम भक्त गोपाल मोदी ने एक प्रेस नोट के माध्यम से दी एवं अंत में आभार कमल किशोर जी नागर के परम भक्त जगदीश फरक्या रूनीजा वाले नें माना।

एनपीएस में मिसिंग क्रेडिट राशि अभिदाता के खाते में जमा होगें-उप मुख्यमंत्री

वल्लभ भवन एवं विंध्याचल कोषालय में होगा चालान का सत्यापन, निर्देश जारी

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाताओं के खातों में जमा करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब अशंदायी पेंशन योजना (छ्झड) में मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाता के खातों में जमा किये जायेगें।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बताया है कि अभिदाताओं के खातों में मिसिंग क्रेडिट की राशि जमा करने के लिये 15 मार्च 2025 तक विशेष अभियान चलेगा। इस संबंध में विभागीय स्तर पर निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं।

राज्य शासन के अधीन सिविल सेवा के पदों पर एक जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त होने वाले शासकीय सेवकों पर अंशदायी पेंशन योजना (एनपीएस) लागू है। इसमें शासकीय सेवकों के वेतन से कर्मचारी अंशदान एवं शासकीय अंशदान संबंधित के परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नम्बर (प्रान) में जमा किया जाता है। ऐसे शासकीय कर्मचारी, जो प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं और उनके अंशदान उनके प्रान में जमा नहीं हुए है, ऐसे प्रकरणों में मिसिंग क्रेडिट (गुमसुदा कटौत्री) की समस्या होती है। गुमशुदा कटौत्री की समस्या के समाधान के लिए संचालनालय कोष एवं लेखा द्वारा आईएफएमआईएस में सुविधा विकसित की गयी है। ऐसे शासकीय सेवक, जो प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ है, उनके अंशदान के चालानों का विवरण कोषालय अधिकारी द्वारा आईएफएमआईएस में भरा जायेगा एवं रिफण्ड देयक तैयार कर अंशदान जमा करने की कार्यवाही की जाएगी। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी वल्लभ भवन श्री राजीव सिंह पवैया ने बताया कि वल्लभ कोषालय द्वारा जो भी प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शासकीय सेवक जिनके द्वारा चालान भारतीय स्टेट बैंक की टी.टी.नगर, जहांगीराबाद, एम.पी. नगर, पंचानन, एवं बरखेड़ी की शाखाओं में जमा किये जायेगे उनका चालान का सत्यापन बल्लभ भवन कोषालय सतपुड़ा भवन द्वारा किया जायेगा। इसके साथ ही प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शासकीय सेवक जिनके द्वारा चालान स्टेट बैंक शाखा विन्ध्याचल, शिवाजी नगर, एच.ई.टी. एस.एम.ई. गोविन्दपुरा, महावीर नगर, हबीबगंज शाखा में जमा किए गये है, वह शासकीय सेवक विन्ध्याचल कोषालय, विन्ध्याचल भवन में उपस्थित होकर चालान का सत्यापन करा सकते हैं।

वृहद युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन आज

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला रोजगार अधिकारी द्वारा बताया गया कि तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार वृहद युवा संगम कार्यक्रम (जॉब फेयर) का आयोजन 3 मार्च 2025 को ग्रामीण हॉट बाजार, गीता भवन रोड़, इन्दौर में प्रात: 10 बजे से 4 बजे तक किया जा रहा है। उक्त आयोजन संभागीय वृहद स्तर पर किया जा रहा है जिसमें प्रदेश एवं अन्य राज्य से कई नियोजक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कार्यक्रम में एकत्रित होगें।

अत: रोजगार की तलाश हेतु जिले के बैरोजगार इच्छुक आवेदक नियत तिथि एवं स्थान पर पहुंच कर सहभागिता कर सकते है, आवेदक को अपने साथ अपना रिज्यूम, समग्र आई.डी., पासपोर्ट साईज फोटो एवं 10 वीं, 12वीं, स्नातक, अन्य डिप्लोमा / डिग्री तथा सभी आवश्यक दस्तावेज की प्रति के साथ उपस्थित होना है। कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी हेतु जिला रोजगार कार्यालय एवं कार्यालयीन दूरभाष नं. 0731-2422071 पर संपर्क कर सकते है।

टीबी मुक्त रथ ने मेलखेड़ा ब्लॉक में किया भ्रमण

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। निरोगी काया अभियान शिवीर गाव गांव तक पहुंचा आज दिनांक, 2/3/2025 को निक्षय शिविर के अंतर्गत कलेक्टर मंदसौर के मार्गदर्शन में एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डा जीएस चौहान साहब अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री चन्द्ररसिह जी सौलकी एवं जिला क्षय अधिकारी डा आरके द्विवेदी साहब डा मनिष दानगढ के सानिध्य में 100 दिवसीय टीबी मुक्त रथ ग्राम असावती ग्राम बावड़ी खेड़ा ब्लॉक मेलखेड़ा तहसील शामगढ जिला मंदसौर मध्य प्रदेश में भ्रमण किया गया जगदीश खींची स्वास्थ्य विभाग मंदसौर ने टीबी के बारे में जागरूक किया टीवी से कैसे बचा जाए एवं टीवी के क्या लक्षण है इसकी जानकारी दी गई चलने में सांस भर आता हो काफी दिनों से खांसी लगातार खांसी चलती, भूख नहीं लगना वजन कम होना रात को पसीना आना रात्रि में बुखार आना यह टीबी के लक्षण हो सकते हैं जांच जरूर करवाना है खंखार में अगर पॉजिटिव आते हैं तो आपको 6 माह तक दवाई लेना है भारत सरकार एवं मध्यम प्रदेश सरकार के सहयोग से निरोगी काया अभियान 20 फरवरी से 31 मार्च 2025तक चलाया जा रहा है इस अभियान में सभी माता बहने बुजुर्ग की 30 वर्ष से अधिक उम्र के सभी की जांच फी में की जा रही है साथ में दवाईयां भी निशुल्क दी जा रही है नान एल्कोहोलिक फेटी लिवर डिसीज एवं सुगर की जांच एवं ब्लड प्रेशर की जांच की जा रही है आप सभी लोग जांच जरूर करवाए कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे स्वास्थ्य विभाग की और से सुपरवाइजर नवीन सैठीया सी एच ओ एस टी एस ए एन एम आशा कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सभी उपस्थितथे एवं गांव के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सप्तम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर रामानुज कोट मंदिर पर हुआ छप्पन भोग

मनासा, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर के रामानुज कोट मंदिर पर मन्दसौर सखी ग्रुप व्दारा सदर बाजार स्थित रामानुज कोट मंदिर भगवान लक्ष्मी व्यंकटेश का सप्तम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के एक दिन पुर्व 1 मार्च को श्री श्याम भजन मंडली मनासा केव्दारा भव्य भजन संध्या शाम को 7-30 बजे से शुरू हुई भजन संध्या रात्री 12 बजे तक चलती रही भजन गायक पंकज तिवारी ने भजनों की प्रस्तुति दी।

भजन संध्या में रामानुज सम्प्रदाय के पुरुष एवं महिलाए भारी संख्या में उपस्थित थीं आज रविवार को प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान श्री नाथ मुनि परिवार मनासा के श्री मती सोसरबाई छगनलाल मुदड़ा एवं श्री मती सीता देवी रामचंद्र मुंदड़ा की स्मृति में, श्रीमती स्नेहलता पुरुषों तम मुंदड़ा , मुंदड़ा परिवार की और से भगवान लक्ष्मी व्यंकटेश भगवान रामानुज कोट मंदिर पर 15 ग्राम सोने का स्वर्ण तोरणद्वार चढ़ाया गया आज भगवान लक्ष्मी व्यंकटेश मंदिर पर छप्पन भोग प्रसाद का आयोजन भी किया गया है छप्पन भोग प्रसाद के दर्शन दोपहर तीन बजे से शाम छ: बजे तक रखा गया था नगर के भक्तों ने छप्पन भोग प्रसाद के दर्शन भी किये व साथ ही भगवान लक्ष्मी व्यंकटेश के भव्य श्रृंगार के दर्शन का लाभ भी लिया सांयकाल महा आरती के पश्चात प्रसाद छप्पन भोग प्रसाद का वितरण किया गया।

सांसद गुप्ता की सक्रियता से त्यौहारों पर मिली स्पेशल ट्रेन की सौगात

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता की सक्रियता के चलते त्यौहारों मद्देनजर संसदीय क्षेत्रवासियों को स्पेशल ट्रेनों की सुविधा मिलने जा रही है। होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की संख्या में होने वाली वृद्धि को देखते हुए रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे ने काचीगुडा और मदार के बीच विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। जिसका ठहराव संसदीय क्षेत्र के मंदसौर, नीमच व जावरा में होगा जिससे क्षेत्र के यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा। सांसद गुप्ता ने बताया कि विशेष रेल सेवा 07701 काचीगुडा से 23.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.50 बजे मदार पहुंचेगी। यह ट्रेन 11 और 16 मार्च 2025 को चलेगी। ट्रेन जावरा 5 बजकर 20 मिनिट, मंदसौर 6.20 और नीमच 7.15 बजे पहुंचेगी।

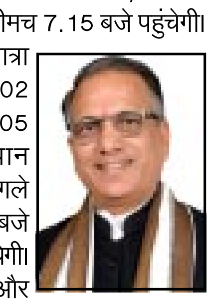

वापसी की यात्रा पर, ट्रेन 07702 मदार से 16.05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.00 बजे काचीगुडा पहुंचेगी। यह सेवा 13 और 18 मार्च 2025 को चलेगी। विशेष ट्रेनें मार्ग में मल्काजगिरी, मेड्चल, कामारेड्डी, निज़ामाबाद, बसर, धर्माबाद, मुदखेड, नांदेड़, पूर्णा, बासमत, हिंगोली, वाशिम, अकोला, शेगांव, मलकापुर, बरहानपुर, खंडवा, रानी कमलापति, सीहोर, उज्ञैन, रतलाम, जावरा, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद और अजमेर सहित कई स्टॉप पर रुकेंगी। ये स्टॉपेज दोनों दिशाओं में बनाए जाएंगे।

गेहूं उपार्जन हेतु कृषक पंजीयन 31 मार्च तक करें

मंदसौर, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहू उपार्जन हेतु कृषक पंजीयन 20 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक करा सकते है। जिले में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहू उपार्जन हेतु जिले में 77 पात्र संस्थाओं को पंजीयन केन्द्रो निर्धारण किया गया है। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में गेहूं का समर्थन मूल्य रूपये 2425/- निर्धारित किया गया है।कृषको से अनुरोध है कि समय-सीमा में अपने नजदीकी पंजीयन केन्द्र पर जाकर नि:शुल्क पंजीयन फार्म प्राप्त कर अपना पंजीयन करावे। कृषको की सुविधा हेतु अधिकृत एमपी ऑनलाईन, कांमन सर्विस सेंटर पर सशुल्क तथा अपने मोबाईल पर किसान एप पर भी अपना पंजीयन करा सकते है। किसान पंजीयन के लिए कृषक पंजीयन केन्द्र पर भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड, बैकपासबुक एवं फोटो पहचान हेतु आवश्यक दस्तावेज लाना अनिवार्य होगा।

दिल के मरीजों को 40 प्रति. सस्ता मिलेगा इलाज

मप्र के सरकारी अस्पतालों में पीपीपी से स्थापित होंगी कैथ लैब

भोपाल, 02 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हृदय रोगियों के उपचार के लिए प्रदेश में बड़ी सुविधा प्रारंभ करने की तैयारी है। सभी जिला अस्पतालों में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) से कार्डियक कैथ लैब की स्थापना का प्रस्ताव है।

कैथ लैब स्थापित होने के बाद एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी (हृदय की धमनियों का ब्लाकेज हटाना), हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट और पेसमेकर लगाने जैसे काम हो सकेंगे। अभी बड़े सरकारी मेडिकल कालेजों से संबद्ध अस्पतालों में ही कैथ लैब स्थापित हैं।

भोपाल के जेपी अस्पताल में है स्थापित–जिला अस्पतालों में केवल भोपाल के जेपी अस्पताल में सरकार अपने स्तर पर कैथ लैब स्थापित कर रही है। बाकी जगह पीपीपी से स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। हृदय रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इस कारण जिला अस्पताल के स्तर तक एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की सुविधा देने की तैयारी है।

दो करोड़ में एक कैथ लैब–एक जगह कैथ लैब स्थापित करने में लगभग दो करोड़ रुपये खर्च आता है। सभी जिला अस्पतालों को मिलाकर सौ करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आएगा। इसके बाद कार्डियोलाजिस्ट व अन्य मानव संसाधन की व्यवस्था करनी पड़ेगी।

सीटी स्कैन की सुविधा पीपीपी मॉडल पर–सरकारी व्यवस्था में कार्डियोलाजिस्ट छोटे जिलों के लिए मिलना मुश्किल है। इस कारण सरकार खुद की जगह पीपीपी से कैथ लैब स्थापित करने की कोशिश कर रही है। बता दें, इसके पहली सीटी स्कैन की सुविधा पीपीपी से जिला अस्पतालों में चल रही है। सात बड़े जिला अस्पतालों में एमआरआइ भी पीपीपी से होने लगी है। यह दोनों प्रयोग सफल होने के बाद पीपीपी से कैथ लैब लगाने की योजना है। इस संबंध शीघ्र ही सरकार के स्तर पर निर्णय होने की संभावना है।

मार्केट रेट से 40 फीसदी कम शुल्क में मिलेगी सुविधा–कैथ लैब स्थापित होने से बाजार दर से लगभग 40 प्रतिशत शुल्क में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी व अन्य उपचार की सुविधा मिलने की आशा है। निजी अस्पतालों में एंजियोग्राफी में 15 हजार और एंजियोप्लास्टी के लिए डेढ़ लाख से दो लाख रुपये लगते हैं। इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत योजना के रोगियों का निश्शुल्क उपचार हो सकेगा। अभी इनमें अधिकतर रोगी उपचार के लिए निजी अस्पतालों में जाते हैं। उनका भुगतान आयुष्मान के अंतर्गत सरकार को करना होता है।

VEHICLE AVAILABLE FOR SALE

S.no.	Make Model	Registration No.	Engine No.	Chassis No.
1	TATAACE GOLD -2023 MODEL-PETROL	MP14ZC 5724	XUP6C 13443	MA1FN2 XURP6C 54610

AS IS WHERE IS CONDITION
CONTACT WITHIIN 07 DAYS AT
SUNDARAM FINANCE LTD.
GROUND FLOOR, SHRI AMBIKA PLAZA, STATION ROAD, SHAMGARH (M.P.) 458003
Mob-9425006544, 9109910755, TEL-07425-298822

VEHICLE AVAILABLE FOR SALE

S.no.	Make Model	Registration No.	Engine No.	Chassis No.
1	MAHINDRA JEETO PLUS-2023 MODEL-PETROL	MP14ZC 6744	UGP3F 25823	MA1KP2 UGEP3F 52167

AS IS WHERE IS CONDITION
CONTACT WITHIIN 07 DAYS AT
SUNDARAM FINANCE LTD.
FIRST FLOOR, TIRUPATI PLAZA, STATION ROAD, MANDSAUR (M.P.) 458001
Mob-9425605273, 7880198452, TEL-07422-490102

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in